Regarding need to discuss the foreign affairs policy in the House

श्री अधीर रंजन चौधरी **(**बहरामपुर**):** माननीय सभापति जी, मैं एक गंभीर मुद्दे की तरफ सदन का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं। यहां माननीय विदेश मंत्री जी भी बैठे हैं।

महोदय, अब कई सवाल देश की फॉरेन पॉलिसी को लेकर उठ रहे हैं। मान लीजिए मालदीव्स में चुनाव हुए। ? भारत को बाहर रखो, भारत को हटाओ? मुद्दे को लेकर चुनाव हुए और चुनाव में जिन्होंने नारा लगाया था, उनकी जीत हुई। मालदीव्स में इस तरह से हुआ है, हमें इस तरफ ध्यान देना चाहिए क्योंकि यह स्ट्रेटजिक आईलैण्ड है। मान लीजिए हमारे देश की गल्फ ऑफ एडन, होर्मुज, मलक्का स्ट्रेट**,** सारे सी-लेन ऑफ कॉम्युनिकेशन्स वहीं से गुजरते हैं। चीन धीरे-धीरे अपना कब्जा जमा रहा है। यह लक्षद्वीप के बारे में है।

महोदय**,** कतर में हमारे देश के आठ नेवी मैन फांसी की कतार में खड़े हैं। सरकार क्या कर रही है, हमें पता नहीं है? पीओके में क्या हो रहा है, चीन और पाकिस्तान मिलकर कोरिडोर बना रहे हैं। हम तो यहां कहते हैं कि पीओके छीनकर लाएंगे, लेकिन वहां 3,000 किलोमीटर तक पीओके का सीना चीरकर गुजर रहा है। हम देखते हैं कि हमारा रिश्ता कनाडा के साथ खराब हो रहा है। यूएसए की तरफ से एक बात आई थी, that the U. S. Justice Department announced in November that it had arrested a man who was allegedly working to assassinate someone. यह कहा गया है कि हमारे विदेश मंत्रालय से किसी को मेमो भेजा गया। इसके साथ-साथ इज़रायल और हमास पर हमारा रवैया क्या है, वह भी हमें पता नहीं है। बड़ी अजीब स्थिति है कि हमें फॉरेन अफेयर्स के बारे में जानकारी नहीं मिलती है। जयशंकर जी और लेखी जी से मैं चाहता हूं कि एक बार खुलेआम फॉरेन पॉलिसी को लेकर सदन में चर्चा हो। मोदी जी की सेकेंड गवर्नमेंट के अंतिम चरण में हम पहुंच गए हैं, इसलिए एक बार एक्सटर्नल अफेयर्स के बारे में सदन में विस्तार से चर्चा होनी जरूरी है।

माननीय सभापति **:** आप बीएसी के अंदर इस विषय को रख दीजिएगा।